Permission for Previous Test
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

20/08/17 सामान्य अध्ययन (टेस्ट - III)

GENERAL STUDIES (Test - III)

मॉड्यूल - III / Module - III

DTVF/17-M-GS3

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): Arvind Pratap Singh

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं |

मोबाइल नं. (Mobile No.): _____

ई-मेल पता (E-mail address): _____

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): _____

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	5	0	6	0	7	3

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): अरविन्द

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

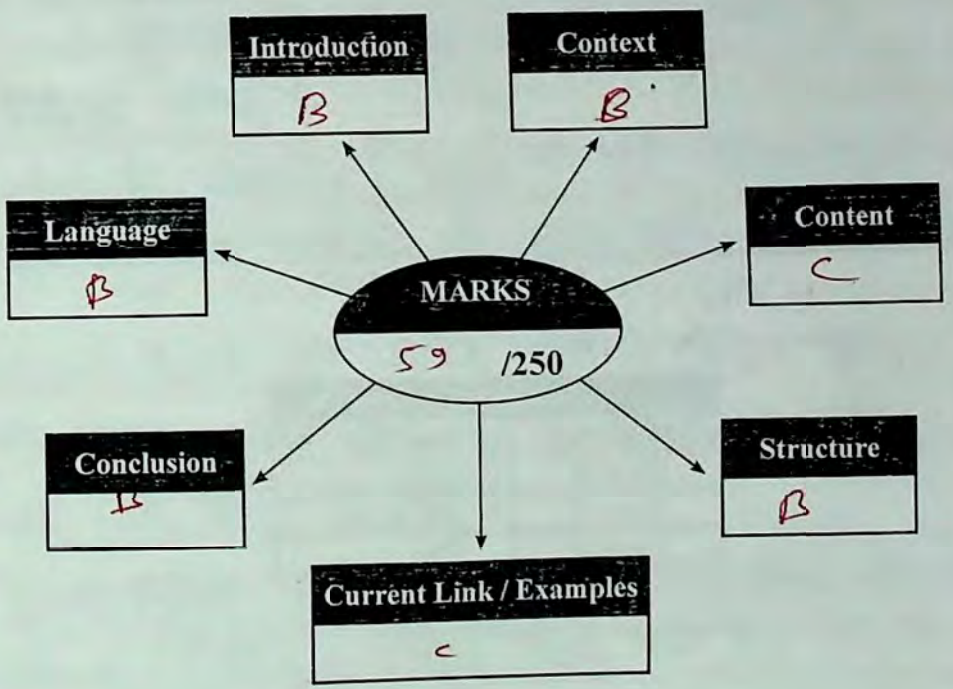

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Permission for Previous Test
Neha Vihar

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- विकल्प - वस्तु को और उन्नत करें।
-
-
-

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Viston Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

1. हाल के दिनों में कुछ भारतीय नदियों को जीवित इकाई (Living enties) की प्रास्थिति प्रदान करने के क्या निहितार्थ है? यह नदियों के प्रदूषण की रोकथाम एवं उनके पारिस्थितिकी संरक्षण में किस सीमा तक सहायक सिद्ध होगी? (250 शब्द) 12.5

What are the implication of providing the living entity status to some Indian rivers in recent times. To what extent it would be helpful in preventing pollution of rivers and its ecological conservation? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में बढ़ते शहरीकरण, औद्योगीकरण और अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि जैसे कारकों ने नदियों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है। हाल ही में माननीय उच्च न्यायालय (उत्तराखंड) ने गंगा-यमुना और सहायक नदी प्रणाली को 'जीवित इकाई' का दर्जा देकर नदियों के पारिस्थितिक-संरक्षण की ओर एक कदम बढ़ाया है। ऐसा उदाहरण न्यूजीलैंड की वांगानुई नदी के संदर्भ में मिलता है।

उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय के इस निर्णय के निहितार्थ निम्न हैं:

1. नदियों को जीवित इकाई मानने से उन्हें संविधानप्रदत्त मूल और अन्य अधिकारों की प्राप्ति होगी।

2. प्रदूषण फैलाने वाले व्यक्ति/इकाई के विरुद्ध 'प्राण और दैहिक स्वतंत्रता' (अनु. 21) के उल्लंघन के लिए वाद दायर किया जा सकेगा।

अन्य तथ्यों को लिखें।

3. मुख्य सचिव और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को नदी का 'केयरटेकर' नियुक्त किया गया है।

• Art 48(A) तथा Art 51 A(g)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

4.

नदियों को एक व्यक्ति के समान अपने जीवन-निर्वाह (पारिस्थितिक प्रवाह) को बनाए रखने की स्वतंत्रता मिलेगी।

नदियों के प्रदूषण की रोकथाम में ऐसे निर्णयों से निश्चय ही एक सीमा तक 'सतत विकास' की अवधारणा को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस निर्णय से नदी-संरक्षण के साथ-साथ जैव-विविधता संरक्षण, अवैध खनन पर रोक, लोगों में जागरूकता के प्रसार, व्यवस्थित नगर-नियोजन और औद्योगिक इकाइयों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी बढ़ने की संभावना है।

(नदी प्रदूषण के विरुद्ध अभियानों को नया आयाम; SDG के लक्ष्यों की प्राप्ति में आसानी)

परन्तु प्रशासनिक कार्यवाहियों की बजाय ऐसे निर्णय जहाँ एक तरफ 'न्यायिक सक्रियता' को बढ़ाते हैं वहीं पहले से दबाव झेल रही न्यायपालिका पर वादों की संख्या का बोझ बढ़ने से प्रक्रिया के अत्यंत धीमे हो जाने का खतरा है। यद्यपि सैद्धांतिक रूप से अच्छा प्रयास होने के बावजूद यह निर्णय व्यवहार्य नहीं है।

([illegible])

संभवतः यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तराखण्ड सरकार की याचिका पर फिलहाल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस निर्णय पर रोक लगा दी है। अब जरूरत है कि इसी भावना पर चलते हुए स्वयं कार्यपालिका 'नमामि गंगे' और 'स्वच्छ भारत मिशन' जैसी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुचारु रूप से संपन्न कर नदियों के पारिस्थितिक वातावरण की रक्षा करें। हमें याद रखना चाहिए कि नदियों का सिर्फ सामाजिक-आर्थिक ही नहीं वरन इस देश में सांस्कृतिक महत्त्व भी है।

सराहनीय प्रयास

5.5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	2	1 1/2	0.25	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. क्या कारण है कि भारत का पूर्वी तट उसके पश्चिमी तट की अपेक्षा चक्रवात से अधिक प्रभावित रहता है? ऐसे चक्रवातों के जनन में हिन्द महासागर की तटीय संरचना की क्या भूमिका होती है? 12.5
(250 शब्द)

What are the reasons that the eastern coast of India is more affected by cyclone than its western coast. What is the role of coastal structure of the Indian Ocean in genesis of such cyclones? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीय भूभाग का लगभग 14% हिस्सा चक्रवातों के प्रति सुग्रेघ है। चक्रवातों से होने वाली जान-माल की हानि के संदर्भ में उड़ीसा के चक्रवात ने हमारी आपदा-प्रबंधन को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। यह योजना में भी यह तथ्य निहित है कि भारत का पूर्वी तट उसके पश्चिमी तट की अपेक्षा चक्रवात से अधिक प्रभावित रहता है। ऐसा निम्न कारणों से है:-

1. अरब सागर की तुलना में हिन्द महासागर का तापमान अधिक होता है, जिससे चक्रवात बनने की परिस्थिति पैदा होती है।

2. बंगाल की खाड़ी में गंगा-ब्रह्मपुत्र और गोदावरी जैसे नदियों से शुद्ध जल की आपूर्ति अधिक होती है, जिससे पूर्वी तट पर वाष्पोत्सर्जन की दर भी अधिक होती है।

3. भारत का तटीय हिस्सा व्यापारिक पवनों या पुरवा पवनों के प्रभाव में रहता है। जिससे चक्रवात

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पूर्व से पश्चिम की ओर गति करते हैं। इसलिए बंगाल की खाड़ी के चक्रवात तटीय क्षेत्रों में विध्वंस करते हैं जबकि अरब सागर के चक्रवात पश्चिम की ओर गति कर जाते हैं।

4. बंगाल की खाड़ी प्रशांत महासागर से भी जुड़ी हुई है। वहां के चक्रवातों का भी यहां प्रभाव पड़ता है।

ऐसे चक्रवातों के जनन में हिन्द महासागर की तटीय संरचना की भी भूमिका होती है। जैसे कि पूर्वी हिस्सा विभिन्न सागरों के माध्यम से खुला है और प्रशांत महासागर से जुड़ा है। इसी प्रकार पूर्वी तट पर पूर्वी घाट की अपेक्षाकृत कम ऊंचाई चक्रवात की हानि-प्रभाव को बढ़ा देती है। पूर्वी तट एक समानांतर पट्टी के रूप में हैं जहां समुद्र के अंदर न आने की भौगोलिक संरचना के चलते चक्रवात उतने विनाशकारी नहीं होते जितने कि टाइफून या टॉरनेडो।

अन्य भूमिकाओं को लिखें।

———x——— निष्कर्ष ?

3½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	0.25	—
Grade	B	C	C	B	—	B	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. "भारत का पशुपालन क्षेत्र सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख घटक होते हुए भी बहुविध कारणों से अपनी क्षमताओं का सम्यक दोहन नहीं कर पाता है।" उक्त कथन की व्याख्या करते हुए इस क्षेत्र के उन्नयन हेतु उपाय सुझाएँ। (250 शब्द) 12.5

"Animal husbandry sector of India being a key component of socio-economic security do not able to properly exploit own capabilities due to multiple reasons." Suggest measures for the upgradation of this sector while explaining the statement given above. (250 words) 12.5

भारत की 60% जनसंख्या अपने जीवन-यापन के लिए कृषि और सम्बद्ध कार्यों पर निर्भर है। ऐसे में पशुपालन उन्हें अतिरिक्त आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध करता है। पशुपालन के सकारात्मक प्रभाव निम्न हैं:-

1. छोटे और सीमांत किसानों को अतिरिक्त लाभ। संकट के समय में एक प्रकार से ये पशु 'बीमा' का काम करते हैं।
2. पशुपालन में महिलाओं की भूमिका प्रमुख है अतः महिला सशक्तीकरण में भी सकारात्मक भूमिका।
3. निम्न आर्थिक स्थिति वाले परिवारों को प्रोटीन की उपलब्धता।
4. कृषि से जुड़े उद्योगों जैसे डेयरी, मांस, ऊन, खाद के जरिए रोजगारों का सृजन।

इन लाभों के बावजूद कई ऐसे संरचनागत कारण हैं जो पशुपालन के विकास को रोकते हैं।

> सामाजिक महत्व की स्पष्ट चर्चा करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक तरफ जनसंख्या वृद्धि के चलते चरागाहों की संख्या में कमी आ रही है वहीं भारत में पशुचिकित्सकों की भी कमी है। पशुपालन से सम्बंधित अवसंरचना का कमजोर होना भी इसका एक कारण है। अच्छी नस्लों का अभाव, अच्छे चारे सम्बंधी प्रयोग न होना, सूखे की बारंबार आवृत्ति, कृषि से नई पीढ़ी के बढ़ते मोहभंग ने भी पशुपालन के विकास में बाधा उत्पन्न की है।

पशुपालन के उन्नयन के लिए आवश्यक है कि हम पशुपालन सम्बंधी शोध को बढ़ावा दें और अच्छी नस्लों का विकास करें। उद्योग को गाँव से जोड़कर डेयरी, प्रसंस्कृत मांस, ऊन, खाद उद्योग के माध्यम से रोजगारों का सृजन गाँव में ही करें। ग्रामीणों को सिर्फ कच्चे माल की आपूर्ति का माध्यम न समझा जाए। हाल में गोमांस सम्बंधी विवाद जैसे प्रकरणों से भी बचने की आवश्यकता है।

पशुपालन के महत्त्व को देखते हुए सरकार ने भी 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन', राष्ट्रीय भैंस प्रजनन परियोजना और गुलाबी क्रांति जैसी योजनाएँ

· छोटे पशु समूहों का होना
· कौशल विकास का अभाव
· बढ़ते मशीनीकरण के कारण पशुओं की उपयोगिता में कमी

अ-पृ. मुसलों को लिखें।

चारा बैंक की स्थापना
प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

प्रारम्भ की है। प्रस्तावित चुनौतियों का सामना कर और इन योजनाओं के सुचारु कार्यान्वयन से हम निश्चय ही भारत के विशाल पशुधन को सामाजिक-आर्थिक लाभ में परिवर्तित कर सकते हैं। यह प्रयास कृषि-संकट को दूर करने में भी निश्चय ही सहायक होगा।

(4)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.75	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. "जलवायु परिवर्तन ने भरतीय मानसून को परिवर्तित कर दिया है फलतः यहाँ की भूमि, प्रजातियाँ तथा जनसंख्या प्रभावित हुई है।" परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Climate Change has altered Indian mansoons and consequently, affected its land, species and people." Examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत में कृषि के साथ-साथ जनसंख्या का संपूर्ण अस्तित्व ही मानसून से गहरे स्तर पर प्रभावित होता है। आज भी देश का 60% से अधिक वर्षा-सिंचित क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। कृषि, रोजगार, विकास-दर, जलापूर्ति, आपदा-जैव-विविधता-सभी को भारतीय मानसून के साथ-साथ उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जलवायु-परिवर्तन ने भारतीय मानसून के प्रभाव को और भी नकारात्मक बनाया है, जिससे यहाँ की भूमि, प्रजातियाँ और जनसंख्या प्रभावित हुई है। उदाहरण के लिए-

1. अब मानसून की भविष्यवाणी और कठिन हुई है। कम या अतिवृष्टि की घटनाएँ बढ़ी हैं। सामान्य मानसून की आवृत्ति कम हुई है।
2. इसीलिए कुछ वैज्ञानिकों ने इस जलवायु परिवर्तन को 'ग्लोबल वार्मिंग' के स्थान पर 'ग्लोबल वीयर्डिंग (Global weirding) कहा है। शहरी बाढ़

[Evaluator's remarks: भारतीय मानसून पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की स्पष्ट चर्चा करें — स्पष्ट करें।
- चक्रवातों के स्वरूप में परिवर्तन
- कालिक एवं मौसमी चरम घटनाओं में वृद्धि।]

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

और राजस्थान में आने वाली बाढ़ इसका प्रमाण है।

3. मानसून से एक तरफ तो उत्तराखण्ड बाढ़ जैसी घटनाएँ देखने को मिलती है वहीं एल-निनो की बढ़ती प्रवृत्ति ने सूखे की परिघटना को भी बढ़ाया है।

4. जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से मृदा अपरदन, कीटों की प्रतिरोधकता में परिवर्तन, मरुस्थलीकरण का प्रसार और समुद्री जलस्तर में प्रसार से भूमि में लवणता-वृद्धि ~~जैसे~~ जैसे प्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

5. इन परिवर्तनों ने मैंग्रोव, ज्वारीय क्षेत्र की जैवविविधता, कोरल (ब्लीचिंग), पश्चिमी घाट, हिमालयी तंत्र के सामने संकट पैदा किया है।

6. जलवायु परिवर्तन और मानसून के पैटर्न में परिवर्तन ने शहरों की ओर विस्थापन को बढ़ाया है, वहीं कृषि संकट के साथ जल-संकट और वायु-प्रदूषण को भी गंभीर स्तर पर पहुँचा दिया है।

ऐसे में आज आवश्यकता है कि हम इन

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

परिवर्तनों को समझते हुए जलसंरक्षण, सतत् विकास के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के प्रयोग से मानसून की भविष्यवाणी का एक वैज्ञानिक मॉडल तैयार करें।

(3)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	0.25	—
Grade	B	C	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. "महान भारतीय मैदान की भौतिक दशाएँ संसार के अन्य भागों से कम बेहतर नहीं हैं, फिर भी यहाँ खाद्यान्न की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता एवं कृषि दक्षता निम्नतर बनी हुई है।" विवेचन करें। (250 शब्द) 12.5

"Physical conditions of the Great plain of India are not less better than other parts of the world Even then, agricultural efficiency and per hectare productivity of food grains has remained lower." Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गंगा-ब्रह्मपुत्र और सिंधु से निर्मित भारत के मैदानी भागों में भारत की 40% से अधिक जनसंख्या निवास करती है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आजतक जनसंख्या का संकेंद्रण स्पष्ट करता है कि यहां जल, उपजाऊ मिट्टी, खाद्य-सुरक्षा, सरल जलवायु मैदानी स्वभाव के कारण आसान नगरीकरण, परिवहन साधनों के विकास आदि कारकों के रूप में प्रकृति ने जो भौतिक दशाएं हमें दी हैं वे संसार के अन्य भागों से कम नहीं हैं।

अन्य अनुकूल भौतिक दशाओं का उल्लेख करें। सस्ते एवं परिश्रमी मजदूरों की उपलब्धता

फिर भी खाद्यान्न की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता और कृषि-दक्षता निम्नतर बनी हुई है। इसके निम्न कारण हैं:-

1. जनसंख्या का अति संकेंद्रण, जिससे कृषि पर बोझ बढ़ता है।

2. परिणामस्वरूप कृषि जोतों का आकार छोटा है। यह आकार लगातार और छोटा होता जा रहा है। इस भाग में 80% कृषक लघु व सीमांत कृषक हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. हरित क्रांति का केवल पश्चिमी उत्तर-प्रदेश व पंजाब -हरियाणा में सीमित रह जाना। शेष ~~भाग~~ वैज्ञानिक प्रगति से वंचित।

4. बाढ़ व सूखे की समस्या को हल न कर पाना। जैसे बिहार के उत्तरी और पूर्वी हिस्से की उत्पादकता पर हर वर्ष बाढ़ का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मानसून पर कृषि यहाँ भी अत्यधिक निर्भर है।

5. कृषि विश्वविद्यालयों और प्रसार-सेवाओं की अक्षम संरचना।

6. कृषि सम्बद्ध उद्योगों का अभाव।

7. कृषि सम्बद्ध अन्य क्षेत्रों जैसे बागिकी, पशुपालन, मिश्रित शस्यन का अभाव

8. पारम्परिक ढंग से खाद्यान्नों की कृषि पर जोर।

अतः आज आवश्यकता है कि चीन जैसे देशों के उदाहरण से सीखते हुए और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, PM कृषि सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार जैसे प्रयासों से इस उत्पादकता और दक्षता को बढ़ाया जाए। जलवायु परिवर्तन के दौर में यह अनिवार्य है क्योंकि खाद्य-सुरक्षा और जल-संकट से साथ-साथ मुकाबला

(हाशिये पर टिप्पणी:)
- अच्छी गुणवत्ता वाली बीजों का अभाव
- जलवायु आधारित फसलों को कम वरीयता
- पट्टेदारी की अनिश्चितता
- सुझावों की स्पष्ट चर्चा करें

Copyright Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

करने के लिए एक ईमानदार प्रयास की जरूरत है।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25	—	0.25	—
Grade	B	C	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. मानव जनित वर्षा (Man-induced Precipitation) की प्रक्रिया को स्पष्ट करें। क्या इस विधि को भारत के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में व्यवहृत करना धारणीय है? (250 शब्द) 12.5

Explain the process of man-induced precipitation. Is this method sustainable to treat drought-hit areas of India? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

मानव ने प्रकृति और विज्ञान के सहयोग से हमेशा ही जीवन को आसान और प्रगतिशील बनाने का प्रयास किया है। प्राकृतिक वर्षा के साथ-साथ मानव जनित वर्षा भी ऐसा ही प्रयास है।

कृत्रिम अथवा मानव जनित वर्षा में सिल्वर आयोडाइड और ठोस कार्बन डाई ऑक्साइड को वायुयानों या जमीन से प्रभावी तोपों के माध्यम से वायुमंडल में छोड़ा जाता है। सिल्वर आयोडाइड या ठोस CO_2 के कण वातावरण को ठंडा कर वायु की आपेक्षिक आर्द्रता बढ़ा देते हैं और संघनन के लिए कण भी उपलब्ध कराते हैं। इससे वर्षा की सम्भावना बढ़ती है। संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ प्रांतों, चीन और अरब देशों में यह प्रयास किया गया है।

विदर्भ, उड़ीसा के कालाहांडी, बोलांगीर-कोरापुर और राजस्थान-गुजरात के सूखा प्रवण इलाकों में इस प्रयास को आजमाया जा सकता है। परंतु इस

मानव जनित वर्षा के लाभों को भी लिखें जैसे
- भौम जल पुनर्भरण
- जलाभाव की समस्या का समाधान
- सिंचाई के लिए इस तकनीक का प्रयोग

Copyright Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रयास के व्यवहृत होने में निम्न समस्याएँ हैं:-
सफलता की दर 20-30% है।

2. भारत में मानसून के इस कृत्रिम प्रयास से प्रभावित होने की संभावना है। (सीमित रूप में ही सही)।

3. सफलता की सीमित दर होने से अभी यह लागत-प्रभावी नहीं है।

4. सम्बंधित शोध, तकनीक व अवसंरचना का अभाव।

ऐसे में आवश्यक है कि हम मानव जनित वर्षा पर और भी शोध करते हुए जल-संरक्षण, सतत कृषि और नदी जोड़ने जैसे प्रयासों पर अधिक ध्यान दें। प्रभावी होने पर कृत्रिम वर्षा को इन प्रयासों के सहायक के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

— x —

अन्य समस्याओं को भी लिखें।

3½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	C	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. "कश्मीर से कन्याकुमारी तथा असम से कच्छ तक असम्मित भू-आकृतिक लक्षणों के कारण भारत में बाढ़ के स्वरूप एवं कारकों में अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्नता होती है, जिसका समाधान वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाने में निहित है।" टिप्पणी करें। (250 शब्द) 12.5

"Due to asymmetric geomorphological features, there is a difference in the nature and factors of floods in various areas from Kashmir to Kanyakumari and Assam to Kutch and its solutions are inherent in an objective approach." Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत का 60% हिस्सा समय-समय पर बाढ़ या सूखे की समस्या से ग्रस्त रहता है। आपदा-प्रबंधन और सतत विकास के दृष्टिकोण से यह जानना जरूरी है कि असममित भू-आकृतिक लक्षणों के कारण भारत के भिन्न-भिन्न भागों में बाढ़ के कारण और स्वरूप में भी भिन्नता है।

उदाहरण के लिए हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में बादलों का फटना ही बाढ़ का प्रमुख कारण है। यहाँ बाढ़ के साथ-साथ भूस्खलन की घटना भी देखने को मिलती है। वहीं तटीय क्षेत्रों में चक्रवातों से बाढ़ की उत्पत्ति होती है। भारत के प्रायद्वीपीय भाग में बाढ़ का कारण मानसून की वर्षा होती है।

भारत के मैदानी भागों में अर्थात् गंगा-ब्रह्मपुत्र व सिंधु नदी तंत्र के क्षेत्र में बाढ़

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

के कारणों में जलवायु-परिवर्तन, ग्लेशियरों का पिघलना, चीन जैसे देश से जल के आँकड़ों को छिपाना और मानसून है। इस प्रकार भारत के विभिन्न भागों में न सिर्फ बाढ़ के कारण और स्वरूप अपितु प्रभावों में भी अंतर है। कश्मीर, राजस्थान से लेकर चेन्नई तक शहरी बाढ़ की नई समस्या सामने आई है, जिसमें उपरोक्त कारणों के साथ-साथ अव्यवस्थित नगर-नियोजन और अतिक्रमण भी कारक है जिससे जल के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा आई है।

अन्य भू-आकृतिक कारकों को भी चर्चा करें

अतः आवश्यक है वस्तुनिष्ठ प्रकार से क्षेत्रीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस समस्या के निराकरण की ओर बढ़ा जाए। सामान्य रूप से नगर-नियोजन, अवैध निर्माण व अवैध खनन न होने देना, जलवायु परिवर्तन व जल-प्रवाह के आँकड़ों का वैज्ञानिक विश्लेषण, तटबंध, समोच्च कृषि, नदियों को जोड़ने की योजना आदि के माध्यम से बाढ़ और बाढ़ के प्रभाव को सीमित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में हम बाढ़ के सकारात्मक लाभ ले सकेंगे।

सरकार के प्रयासों को भी लिखें।
- NDMA
- गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग
- केन्द्रीय जल आयोग

(4)

———x———

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	—	0.25	
Grade	P	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. तीव्र शहरीकरण अपने साथ प्रचुर मात्रा में चुनौतियाँ लाता है, 'नया विकास एजेंडा' इन चुनौतियों का किस प्रकार स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामना करता है? (250 शब्द) 12.5

Rapid urbanization brings with it enormous challenges, How 'New development Agenda', addresses these challenges at local, national and international level? (250 words) 12.5

शहरों को ही सभ्यता का भविष्य ~~माना~~ माना जा रहा है। ऐसे में आश्चर्य नहीं है कि आज जहाँ भारत में 31% जनसंख्या शहरों में निवास करती है वहीं 2050 तक यह 60% पहुँचने का अनुमान है। स्वयं शहरों के स्वरूप में परिवर्तन हो रहा है, वे मेट्रोपोलिस से मेगापोलिस में परिवर्तित हो रहे हैं और टोक्यो, न्यूयार्क जैसे विशालकाय शहर सामने आ रहे हैं।

तीव्र शहरीकरण के साथ-साथ हमारे सामने भिन्न-भिन्न चुनौतियाँ में आती हैं। जैसे कि शहरों के विकास के लिए भूमि, अवसंरचना की जरूरत पड़ती है। अनियंत्रित शहरी विकास से एक तरफ हमें शहरी बाढ़ जैसी घटनाओं का सामना करना पड़ता है वहीं अपराधों, विशेषकर महिलाओं के प्रति अपराधों में भी वृद्धि होती है।

शहर की जरूरतों से औद्योगिकीकरण, प्रदूषण पर्यावरण-क्षरण जैसे प्रभाव व हीट आइलैंड, ग्लोबल

[Margin annotations: • अनाधिकृत आवास • कचरा निस्तारण की समस्या • सड़कों पर अतिक्रमण]

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

वार्मिंग भी देखने को मिलती है। विश्व बैंक और WHO की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 10 भारत के हैं। पिछले वर्ष का दिल्ली-स्मॉग तो एक उदाहरण भर है।

शहरीकरण की इन चुनौतियों का सामना करने के लिए 'नया विकास एजेंडा' अंतर्राष्ट्रीय के साथ-साथ राष्ट्रीय व स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखता है। UN हैबीटेट द्वारा प्रस्तुत 'न्यू अर्बन एजेंडा' इसी दिशा में एक प्रयास है। इस एजेंडे में सतत विकास, आपदा प्रबंधन और एकीकृत समन्वित विकास पर जोर है।

शहरों में स्थानीय निकायों को शक्तिशाली बनाने पर जोर दिया गया है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से सतत शहरों का ढांचा खींचा गया है। यहाँ आपदा-प्रबंधन की तैयारी पूर्व में ही करने की बात है और शहरों के साथ-साथ बाहरी इलाकों में भी रोजगार व शिक्षा-स्वास्थ्य के विकास की बात है। 'न्यू डेवलपमेंट एजेंडा' तकनीक के माध्यम से इन

- हरित सार्वजनिक स्थलों को बढ़ावा
- नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा
- शिक्षार्थियों को ध्यान

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

लक्ष्यों को प्राप्त करने में यकीन रखता है। भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किए गए पूरा (PURA) मॉडल, स्मार्ट सिटी मिशन व श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन में इसे देखा जा सकता है। भारत के INDC भी इसी धारणा से प्रेरित है।

अच्छा प्रयास

——— x ———

4 -

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1½	0.25	0.75	0.75	—
Grade	D	B	C	B	B	B	—

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. यद्यपि स्थिर रूप से ग्रामीण-से-ग्रामीण क्षेत्र में प्रवासन किसी अन्य प्रकार के प्रवासन की तुलना में अधिक सामान्य है। भारत में प्रवासन की नई प्रवृत्तियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Though stagnated rural to rural migration is more common than any other type of migration. Critically examine new trends of migration in India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आज भारत की 69% जनसंख्या गाँवों में और 31% जनसंख्या शहरीकृत क्षेत्रों में निवास करती है। 2050 तक यह अनुपात 35-65 या 40-60 होने की सम्भावना है। परम्परा से ही ग्रामीण से ग्रामीण प्रवासन की प्रवृत्ति प्रचलन में रही है। जिसके कारणों में कृषि, रोजगार, विवाह, आपदा प्रमुख रहे हैं।

प्रवजन को परिभाषित करें।

परन्तु पिछले कुछ दशकों में प्रवासन की नई प्रवृत्तियाँ देखने को मिल रही है। इनमें ग्रामीण से शहरी प्रवासन प्रमुख है। शहरों से बड़े शहरों की ओर प्रवासन, मौसमी प्रवासन, उत्तर से दक्षिण की ओर प्रवासन की प्रवृत्तियाँ भी देखने में आई है।

एक जिले से दूसरे जिले में प्रवासन शहरों से गाँवों की ओर

इस प्रवासन के प्रमुख कारणों में रोजगार और शिक्षा है। शहरों में रोजगार के अवसर लगातार बढ़ते जा रहे हैं और गाँवों में क्रमशः

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कम होते जा रहे हैं। इसी प्रकार दक्षिण के राज्यों में अपेक्षाकृत समृद्धि, पंजाब में कृषि-मजदूरों को मिलने वाली अधिक कीमत, NCR और मुम्बई की ओर प्रवसन प्रमुख है। सेवा क्षेत्र में बंगलुरु व हैदराबाद जैसे शहरों में प्रवसन बढ़ा है।

संबंधित तथ्यों को भी लिखें।

प्रवसन से महिलाओं, बच्चों व वृद्धों की सुभेद्यता बढ़ी है, वहीं शहरी जीवन-स्तर भी गिरा है। इसलिए आवश्यक है कि शहरी अवसंरचना का विकास कर और गाँवों में वैकल्पिक अवसर उपलब्ध कराकर हम मजबूरी के चलते होने वाले प्रवासन को रोकें। सतत विकास की यह भी एक परीक्षा है। इस दिशा में स्मार्ट सिटी मिशन और श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन प्रशंसनीय प्रयास हैं।

———x———

3½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1/2	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	B	B	B	✓

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. 'गुड वाटर गवर्नेंस' धारणीय जल विकास हेतु एक नई संकल्पना है। गुड वाटर गवर्नेंस देश के निर्माण में भारत के प्रयासों का परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

'Good water governance' is a new concept for sustainable water development. Examine attempts of India to become good water governance country. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान से कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट "High and Dry: Climate change, water and the Economy" में तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण और जनसंख्या वृद्धि के चलते एक जल संकट की परिकल्पना की है। एवं भारत में आजादी के बाद से प्रति व्यक्ति जल - उपलब्धता में भारी कमी आई है।

ऐसे में गुड वाटर गवर्नेंस आज इसकी जरूरत बन गई है। इस दिशा में भारत ने कई प्रयास किए हैं। भारत की भौगोलिक संरचना को देखते हुए सदावाहिनी नदियों के जल के बेहतर इस्तेमाल हेतु नदी जोड़ने की परियोजना पर काम चल रहा है। केन-बेतवा लिंक और पोलावरम प्रोजेक्ट इसी दिशा में प्रयास हैं।

कृषि क्षेत्र में जल की उपलब्धता बेहतर करने के लिए रेनवाटर हार्वेस्टिंग, ड्रिप व स्प्रिंकलर के प्रयास महत्वपूर्ण हैं। इस दिशा में भारत ने इसराइल से सहयोग बढ़ाया है और प्रधानमंत्री

गुड वाटर गवर्नेंस तथा इसके आयामों को परिभाषित करें।

भारत में जल की स्थिति पर चर्चा करें तथा चुनौतियों को भी लिखें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृषि सिंचाई योजना प्रारम्भ की है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी अप्रत्यक्ष रूप से जल संरक्षण में सहायक होगा।

नदियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, जल का पुनर्चक्रण, औद्योगिक अपशिष्ट का वहीं पर निस्तारण और वर्षा-जल संचयन जैसे प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों के सम्बंध में जागरूकता बढ़ाकर हम 'गुड वाटर गवर्नेंस' की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

—— x ——

2½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1/2	0.25	—	0.25	
Grade	B	C	D	D	—	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

11. प्रायद्वीपीय भारत की तुलना में उत्तर भारत में नहरों द्वारा सिंचाई की व्यापकता अधिक क्यों है? दक्षिण भारत में प्रचलित सिंचाई के विभिन्न साधनों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Why Canal irrigation in Northern India is more widespread as compared to Peninsular India? Discuss the different means of irrigations practiced in South India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रायद्वीपीय भारत की तुलना में उत्तर भारत में नहरों द्वारा सिंचाई की व्यापकता के निम्न कारण है:-

1. गंगा-सिंधु तंत्र का सदावाहिनी होना।
2. समतल मैदान संरचना के कारण उत्तर भारत में नहरों का जाल बिछाना आसान है। दक्कन की पठारी संरचना में यह अपेक्षाकृत मुश्किल है।
3. दक्षिण भारत की नदियों में केवल मानसून वर्षा से ही जल की उपलब्धता होती है।
4. उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों विशेषकर हरियाणा, पंजाब व पश्चिमी उ.प्र. में 'हरित क्रांति' का सफल क्रियान्वयन

जबकि दक्षिण भारत में नहरों की सीमित उपलब्धता के साथ-साथ सिंचाई के प्रमुख साधनों के रूप में तालाब, कुऐं, झील व ट्यूबवेल के माध्यम भूमिगत जल का उपयोग किया जाता है। इनमें

भूमिका ?

उत्तर की नदियों के प्रवाह क्षेत्र का अधिक होना

सिंचाई के अन्य माध्यमों का भी उल्लेख करें

ड्रिप, स्प्रिंकलर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

संबंधित तथ्यों को लिखें।

से परम्परागत रूप से तालाब व कुएँ ही सिंचाई के प्रमुख साधन हैं।

आज आवश्यक है कि हम उत्तर-भारत और ~~नदी भार~~ दक्षिण भारत की नदियों को वैज्ञानिक तरीके से जोड़ने की ओर गंभीर प्रयास करें ताकि इस असमानता को समाप्त किया जा ~~सकता~~ सके और एक साथ होने वाली बाढ़ व सूखे की समस्या से मुक्ति मिल सके।

—— X ——

3

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1½	1	0.25	—	0.25	—
Grade	—	C	C	B	—	B	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

12. "भारत जल प्रबंधन में अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है।" उक्त कथन की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय जल आयोग की आवश्यकता तथा केन्द्रीय जल आयोग और केन्द्रीय भूजल बोर्ड की पुनर्संरचना का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"India faces unprecedented challenges in water management." In the background of above statement critically examine the need for National Water Commission (NWC) and restructuring of Central Water Commission and Central Ground Water Board. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण और जनसंख्या वृद्धि के कारण 2050 तक अभूतपूर्व जल संकट की बात कही है। उसके अनुसार सीमित क्षमताओं के कारण यह संकट विकासशील देशों में ज्यादा प्रबल होगा। ऐसे में स्पष्ट है कि भारत उपरोक्त कसौटियों के लिहाज से सर्वाधिक सुभेद्य देशों में से एक होगा।

आज भारत ने कृषि सिंचाई योजना, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, मरुस्थलीकरण को रोकने के प्रयासों, ग्रीन इंडिया मिशन और औद्योगिक नवाचारों के माध्यम से जल प्रबंधन की ओर कदम बढ़ा दिया है। ऐसे में प्रशासनिक संस्थानों की पुनर्संरचना भी जरूरी हो जाती है।

राज्यों में बढ़ते नदी जल विवादों के परिप्रेक्ष्य में और घटती प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता के

जल प्रबंधन के क्षेत्र में चुनौतियों की भी चर्चा करें

- बांधों में भंडारित जल के उचित प्रबंधन का अभाव
- जल की गुणवत्ता का ह्रास
- शहरीकरण के कारण मांगों में वृद्धि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लिहाज से जरूरी हो जाता है कि एक राष्ट्रीय जल आयोग की स्थापना की जाए। आज जहाँ केंद्रीय जल आयोग नदी, झीलों व जलाशयों पर नजर रखता है, वहीं केंद्रीय भूजल बोर्ड भूगर्भ-जल के आंकड़े रखता है।

समन्वित जल-प्रबंधन के लिए जरूरी है कि इन खण्डित दृष्टि को समाप्त कर एक राष्ट्रीय जल आयोग की स्थापना की जाए जो भूमिगत व सतही जल के वैज्ञानिक आंकड़े लेकर एक वैज्ञानिक योजना बना सके।

पुनर्गठन की क्यों आवश्यकता है? स्पष्ट करें तथा चिन्ताओं को भी लिखें।

2½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	~~0.25~~	0.25	—	0.25	—
Grade	D	C	D	B	—	D	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

13. शहरों के बाह्य क्षेत्र कचरे के पहाड़ों में तब्दील होते जा रहे हैं। किस तरह जैवोपचार प्रक्रिया शहर आधारित कचरे से निपटने में सहायक है? (250 शब्द) 12.5

Outskirt areas of cites are becoming hills of garbage. How bioremediation process can help in dealing with a city laid waste? Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

शहर अपनी अनियोजित जीवन शैली के चलते लाखों टन कचरा उत्पादित करते हैं। इस कचरे का बिना उपचार किए इसे शहरों के बाह्य क्षेत्रों में फेंक दिया जाता है।

इन क्षेत्रों में जिन लैंडफिल का प्रावधान किया जाता है वास्तव में धीरे-धीरे वहां कचरे के पहाड़ खड़े होते जा रहे हैं। इससे मिट्टी की गुणवत्ता गिरती है और मृदा अपरदन होता है। आस-पास के क्षेत्रों में गैसों का उत्सर्जन, दुर्गंध, पक्षियों का आना जिससे वायुयान-दुर्घटनायें होती हैं जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं।

अतः जरूरी है कि हम घर और उद्योग के स्तर पर भी कचरे को पृथक-पृथक कर लें और पुनर्चक्रण के बाद बचे कचरे को सूक्ष्मजीवों के माध्यम से जैवोपचार के लिए प्रयोग में लाए।

जैवोपचार से हम बैक्टीरिया आदि के

अन्य प्रभावों को और भी लिखें

लैंडफिल के कारणों की भी चर्चा करें जैसे — •बढ़ता शहरीकरण •कृषि अपशिष्ट •निर्माण क्षेत्र का कचरा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

प्रयोग से कचरे का अपघटन कर इसे ऊर्जा निर्माण में भी प्रयुक्त कर सकते हैं। जैवोपचार के माध्यम से एक साथ हम वायु, मृदा प्रदूषण से बच सकेंगे और प्रकृति पर अनावश्यक बोझ डालने से भी।

—x—

और व्यक्त चर्चा करें तथा जैवोपचार की सीमाओं को भी लिखें।

(3)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	C	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

14. किस प्रकार अवैध रेत खनन नदियों की पारिस्थितिकी व जनजीवन को प्रभावित कर रहा है, आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये तथा रेत खनन दिशा-निर्देशों के मुख्य बिन्दुओं की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Critically examine how illegal sand mining is affecting the ecology of rivers and lives of people. Also explain the highlights of Sand Mining Guidelines. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

नदियों की पारिस्थितिकी पर संकट इतना अभूतपूर्व है कि कई स्थानों पर तो नदियों वास्तविक अर्थों में नालों में तब्दील हो चुकी है।

बालू की उपयोगिता तथा इसके घटकों की चर्चा करें।

अवैध रेत खनन का प्रभाव

1. नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा आती है।
2. नदियों की जैव-विविधता को क्षति।
3. मछलियों व अन्य जीवों के आवास में क्षति
4. तट का कटाव।
5. आस-पास के क्षेत्रों में प्रदूषण जनित करने वाली गतिविधियाँ और भ्रष्टाचार।

प्रभावों की और स्पष्ट चर्चा करें।

इसीलिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (NGT) के गंगा नदी व आर्ट ऑफ लिविंग के निर्णय चर्चा में रहे हैं। परन्तु विकास सम्बंधी गतिविधियों के लिए रेत-बालू की मांग व रोजगार-सृजन के चलते इस पर पूरी तरह रोक लगाना व्यावहारिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

~~लगी है~~
नहीं है।

रेत खनन दिशा निर्देश

1. पारम्परिक प्रयोगों को पर्यावरण-मित्र उपाय के साथ मंजूरी।
2. 5 हेक्टेयर तक खनन के लिए जिला स्तर पर समिति
3. राज्य की भूमिका बढ़ेगी।
4. केंद्र केवल 50 करोड़ से ऊपर की परियोजनाओं को मंजूरी देगा।

इस दृष्टि से विकास व पर्यावरण के मध्य संतुलित दृष्टि की जरूरत है।

• बालू खनन के वास्तविक स्वरूप हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार करना
• वैज्ञानिक खनन पद्धति की पहचान करना
• व्यक्तिगत उपयोग हेतु पर्यावरण मंजूरी की छूट

प्रभाव
निष्कर्ष लिखें।

(3)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	0.25	—
Grade	B	C	C	B	—	B	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. पेरिस समझौते की महत्ता लिखिये तथा अमेरिका के इससे अलग हो जाने के बाद विकासशील देशों पर इसका क्या प्रभाव होगा? (250 शब्द) 12.5

Write down the significance of the Paris agreement and what will be its impact on developing countries as USA has withdrawn from the agreement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दिसम्बर 2015 में पेरिस समझौते ने जलवायु-परिवर्तन के विरुद्ध 196 देशों का एक स्वैच्छिक समझौता प्रस्तुत किया। यह जलवायु-परिवर्तन के विरुद्ध होने वाले प्रयासों में अभूतपूर्व था।

प्रमुख लक्ष्य

1. तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर के 2°C वृद्धि तक रोकना। संभव हो तो 1.5 C. वृद्धि पर रोकना।
2. सभी देश स्वैच्छिक INDC (Intended Nationally Determined Contribution) घोषित करेंगे।
3. 2020 से प्रतिवर्ष विकासशील देशों को $100 बिलियन की राशि
4. अनुकूलन के लिए तकनीकी हस्तांतरण।

अन्य लक्ष्यों की भी चर्चा करें।

तथा महत्व की स्पष्ट चर्चा करें।

अब संयुक्त राज्य अमेरिका के इससे अलग हो जाने से प्रभाव

1. वित्त व तकनीकी हस्तांतरण में बाधा आएगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

2. और जिम्मेदार देशों को रहने का बहाना मिलेगा।

3. चीन, यूरोपीय, यूनियन व भारत की जिम्मेदारी बढ़ी है।

4. अमेरिका को आर्थिक लाभ होने की संभावना

5. पर्यावरण हितैषी प्रयासों की एकता में बाधा आई है।

विकासशील देशों पर इसके प्रभावों को स्पष्ट चर्चा करें

पर समझौते में अमेरिका के व्यवहार को देखते हुए उचित है कि ऐसा हुआ। क्योंकि अगर अमेरिका समझौते के अंदर रहते हुए उसे तोड़ने का प्रयास करता तो वह पेरिस समझौते के लिए ज्यादा खतरनाक होता। अब शेष विश्व को एकजुट होकर इस प्रयास को सफल बनाने के लिए कृतसंकल्प होना होगा।

प्रभावी निष्कर्ष लिखें।

2½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	½	0.25	—	0.25	
Grade	B	C	D	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. हाल ही में भारतीय तटों पर तेल रिसाव की कई घटनाएँ हुईं। तेल रिसाव कम करने की चुनौतियों और तरीकों को दर्शाइए। (250 शब्द) 12.5

Recently incidences of oil spills took place on Indian shores. Depict challenges and methods for mitigating oil spill. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हिन्द महासागर तेल-व्यापार का एक महत्त्वपूर्ण मार्ग है। ऐसे में हाल ही में मुंबई व एन्नौर पोर्ट के साथ-साथ हाई-सी में भी तेल रिसाव की घटनाएँ हुई हैं।

ऑयल स्पिल क्या है स्पष्ट करें!

इससे पर्यावरण, जैव-विविधता की हानि, मछलियों की मृत्यु, खाद्य शृंखला में इन पदार्थों का प्रवेश व व्यापार में बाधा जैसी समस्याएँ सामने आती हैं।

पर्यटन को प्रभावित तेल की गुणवत्ता का ह्रास

तेल रिसाव कम करने के लिए सुरक्षित यातायात का प्रबंध, आस-पास गुजरने वाले जहाजों को सही आँकड़े देकर टक्कर को रोकना व वैकल्पिक समुद्री मार्गों का प्रयोग करना होगा।

चुनौतियों की भी चर्चा करें।

भारत के प्रयासों को भी लिखें।

ऑयलजेपर व सूक्ष्मजीवों के प्रयोग से तेल रिसाव के बाद होने वाली हानि को कम किया जा सकता है।

तकनीक का अभाव

NOS-DCP को 2015 में संशोधित

1½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.75			
Grade	B	D	D	D			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

17. आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु सेंडाई फ्रेमवर्क तथा भारतीय उपमहाद्वीप को आपदा मुक्त करने में भारत की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Analyze the Sendai Framework in disaster risk reduction and India's role in making Indian Subcontinent disaster free. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

सेंदाई फ्रेमवर्क के प्रमुख लक्ष्य 2015-2030

1. Sendai Framework for Global disaster Risk Reduction 2015-2030 के तहत आपदा प्रभावित लोगों की संख्या कम करना।
2. आपदा से होने वाली मृत्यु में ठोस कमी लाना।
3. ऐसे देशों की संख्या बढ़ाना जहाँ राष्ट्रीय व स्थानीय, दोनों रणनीतियां हों।
4. विकासशील देशों को अंतर्राष्ट्रीय सहायता।
5. लचीलेपन के विकास से बुनियादी संरचना को सहायता।

सेंडाई फ्रेमवर्क की पृष्ठभूमि को लिखें

प्राथमिकताएँ

1. आपदा प्रबंधन को समझना
2. आपदा प्रशासन को मजबूत करना।
3. आपदा नीति निर्माण
4. पुनर्वास व पुनर्निर्माण

संबंधित तथ्यों को भी चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत की भूमिका

1. राष्ट्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में NDMA, SDMA, DDMA की त्रिस्तरीय संरचना।
2. प्रबंधन में NDRF का गठन।
3. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना 2016।
3. सार्क सेटेलाइट
4. सार्क आपदा प्रबंधन की स्थापना।
8. नेपाल में 'आपरेशन राहत'।

आँकड़ों व जानकारी को साझा करना।

- SAADMEx-2015 अभ्यास का आयोजन
- चुनौती पूर्व चेतावनी केन्द्र की स्थापना

2½

निष्कर्ष ?

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	1	0.25	—	—	—
Grade	—	E	C	D	—	—	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. "आपदाएँ स्थानीय की बजाय वैश्विक हो चुकी हैं तथा राजनीतिक संरचना को स्थानीय नियंत्रण और तंत्र से बचकर निकलते हुए देखा जा सकता है।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Disasters have become a global rather than a local issue and the political infrastructure may be seen to bypass local control and system." Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सुनामी, चक्रवात, भूकम्प जैसी आपदाएँ राष्ट्रों की सीमा को नहीं मानती है कश्मीर का भूकम्प या 2004 में आई सुनामी इसका उदाहरण है

आपदा के समय प्रभावित देश यदि छोटा व विकासशील है तो उसे अंतर्राष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता पड़ती है। इसीलिए सेंदाई फ्रेमवर्क में विकासशील देशों को अंतर्राष्ट्रीय सहायता की बात है

सेंदाई फ्रेमवर्क राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी योजना की बात करता है क्योंकि पहला और सबसे प्रभावी बचाव-राहत अभियान तो स्थानीय समुदाय द्वारा ही चलाया जाता है।

भारत में इसीलिए आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में संघ, राज्य व जिला- तीनों स्तरों की योजना है परन्तु यह अंतिम स्तर ही सबसे

आपदा क्यों वैश्विक घटना बनती जा रही है? स्पष्ट चर्चा करें।

सरकार की उदासीनता की भी चर्चा करें। → कानूनों का अस्पष्ट होना उचित प्रणाली का अभाव

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कमज़ोर कड़ी है जिसे मजबूत किए जाने की जरूरत है।

स्थानीय स्तर पर विद्यालयों में शिक्षा के साथ आपदा प्रबंधन, समाज में जागरूकता व मॉक ड्रिल को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाया जा सकता है।

उत्तर अपूर्ण है।

—x—

1½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	६	६	७.२५	—	—	—
Grade	—	D	D	D	—	—	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

19. क्या आप सहमत हैं कि 'उदयपुर घोषणा' आपदा प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम है? इस बैठक के दौरान ब्रिक्स राष्ट्रों के सम्मुख आपदा की चुनौतियों के मुद्दे का सामान्य सूत्र उजागर किया गया। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें। (250 शब्द) 12.5

Do you agree that the 'Udaipur Declaration' is a major step towards disaster management while the meeting laid bare the common thread of challenges on disaster issues faced by all the BRICS nations? Give arguments in favor of your answer. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

ब्रिक्स राष्ट्रों ने 'उदयपुर घोषणा' के माध्यम से आपदा-प्रबंधन में सेंदाई फ्रेमवर्क के प्रति प्रतिबद्धता और आपसी सहयोग को व्यक्त किया है।

(i) ब्रिक्स राष्ट्रों ने सेंदाई फ्रेमवर्क के 7 लक्ष्यों और 4 प्राथमिकताओं पर जोर दिया।

(ii) आपदा प्रबंधन को समझना, नीति-निर्माण, प्रशासन व पुनर्वास-पुनर्वितरण पर जोर।

(iii) पाँचो देशों की सामान्य आवश्यकताओं का रेखांकन व एक-दूसरे के अनुभवों से सीखना।

(iv) अंतरद्वीप सहयोग।

(iv) ब्रिक्स के सहयोग को आर्थिक वृत्त से बाहर अन्य क्षेत्रों तक ले जाना।

उत्तर अपूर्ण है।

(1)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	½	½				
Grade		D	D				

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

20. (a) पृथ्वी विज्ञान संगठन क्या है तथा इसके मुख्य कार्य क्या हैं? 6

What is Earth Science Organization and what are its main functions? 6

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रधानमंत्री कार्यालय के अंतर्गत पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक संगठन है।

पृथ्वी विज्ञान संगठन भूगर्भ, समुद्र व अंटार्कटिक ~~जैसे~~ क्षेत्रों में शोध कार्य का नियंत्रण, आँकड़ो का रखरखाव व नीति निर्माण में सहयोग करता है।

जैसे - मैत्री, भारती व दक्षिण गंगोत्री का समय-समय पर संचालन

- समुद्र के अंदर (~~खनिज~~ आर्थिक क्षेत्रों खनिजों का अन्वेषण व आँकड़े।

भू-विज्ञान की शाखाओं एवं कार्यों की स्पष्ट चर्चा करें।

1

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) बदलती हुई परिस्थितियों में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की कार्यशैली की रूपरेखा दर्शाएँ। 6.5

Outline the functioning of National Disaster Management Authority (NDMA) in changing circumstances. 6.5

NDMA – (i) आपदा प्रबंधन अधि. के अंतर्गत प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में प्राधिकरण।

(ii) NDRF का संचालन

(iii) राज्यों की SDMA से समन्वय रखना

(iv) राज्यों की माँग पर सहायता उपलब्ध कराना।

(v) अन्य मंत्रालयों जैसे विज्ञान, कृषि, इसरो जैसी संस्थाओं में समन्वय व सहयोग

NDMA की प्रमुख भूमिका को लिखें

अन्य कार्यों को भी बताएँ।

• आपदा प्रबंधन से संबंधित नीतियों का निर्माण

• राष्ट्रीय योजनाओं को मंजूरी देना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बढ़ाना।

आज आवश्यक है कि NDMA स्वयं और राज्यों के सहयोग से तीसरे स्तर अर्थात DDMA को मजबूत करे ताकि प्राथमिक राहत व बचाव कार्य को प्रभावी बनाया जा सके।

1½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	½	0.25	0.25	—	0.25	
Grade	—	B	C	B	—	B	

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation